एक नजर में

मुख्यमंत्री के शिविर की तैयारियों का निरीक्षण

राजगढ़ 05 अगस्त, का. कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा के निर्देशन में मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के अंतर्गत 07 अगस्त को आयोजित होने वाले शिविर की पूर्व तैयारियों के तहत मुख्य चिकित्सा एवं जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शोभा पटेल ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पचोर का निरीक्षण किया. निरीक्षण के दौरान डॉ. पटेल ने अस्पताल में आमजन को उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सेवाओं, उपचार व्यवस्था, साफ-सफाई एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा अधिकारियों एवं स्वास्थ्य कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए.

स्टॉप डायरिया अभियान के तहत जल संरक्षण

राजगढ़ 05 अगस्त, का. स्वच्छ जल-समुचित उपचार,

डायरिया से बचे हर बार थीम पर 16 जून से 31 जुलाई तक संचालित स्टॉप डायरिया अभियान के अंतर्गत जिले में जल परीक्षण, जल के महत्व, जल संरक्षण एवं संवर्धन, पेयजल स्रोतों की सुरक्षा तथा सोर्स सस्टेनेबिलिटी से संबंधित विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गईं. साथ ही नल-जल योजनाओं के सफल संचालन के लिए पेयजल उप समितियों एवं एफटीके (फील्ड टेस्ट किट) का प्रशिक्षण भी आयोजित किया गया. अभियान के दौरान विभागीय तकनीकी अमले ने कार्यपालन यंत्री हरम सिंह बामनिया, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग राजगढ़ के निर्देशन में गतिविधियों का संचालन किया. इस अवसर पर भूजल वैज्ञानिक डॉ. रामगोपाल नागर, उपयंत्री श्रीमती पूजा कौशल, विकासखंड समन्वयक श्रीमती अंजना संजोदिया सहित विभागीय तकनीकी अमला उपस्थित रहा.

आवश्यकता है

आनंद वेयर हाउस ग्राम कचनारिया एबी रोड़ ब्यावरा A.C. Agrawal (H.P) पेट्रोल पम्प के पास ब्यावरा में गार्डन की देखरेख के लिए एक माली की आवश्यकता है.

मो. 9425037590

बिल 06 अगस्त 2026

34 शिक्षकों ने अब तक नहीं की जॉइनिंग

तबादला व्यवस्था के साईड इफेक्ट, सैकड़ों विद्यार्थियों की पढ़ाई पर संकट

स्थानांतरण आदेश के बाद भी स्कूल नहीं पहुंचे शिक्षक, कक्षाओं का बढ़ा बोझ

नवभारत न्यूज

ब्यावरा 05 अगस्त, का. करीब एक महीने पहले जिले भर में शिक्षकों के स्थानांतरण के बाद भी शिक्षकों ने निर्धारित समय सीमा में कार्यभार ग्रहण नहीं किया है. शासन के स्थानांतरण आदेशों के बावजूद अब तक कुल 34 शिक्षकों ने अपनी नई पदस्थापना पर जॉइनिंग नहीं की है, जिसका सीधा असर सरकारी स्कूलों में अध्ययनरत सैकड़ों विद्यार्थियों की पढ़ाई पर पड़ रहा है.

जानकारी के अनुसार, प्रशासनिक आधार पर हुए 128 स्थानांतरणों में 11 शिक्षक तथा स्वैच्छिक आधार पर हुए 304 स्थानांतरणों में 23 शिक्षक अब तक अपनी नई पदस्थापना पर नहीं पहुंचे हैं. इस प्रकार कुल 34 शिक्षक शासन के आदेश के बावजूद सेवा शाला स्थल पर अनुपस्थित हैं.

इस स्थिति से सबसे अधिक परेशानी उन विद्यालयों में हो रही है, जहां पहले से ही शिक्षकों की संख्या सीमित थी. एक-एक शिक्षक को कई कक्षाओं का दायित्व संभालना पड़ रहा है, जिससे न केवल शिक्षण व्यवस्था प्रभावित हो रही है बल्कि विद्यार्थियों को विषयवार पढ़ाई भी समय पर नहीं मिल पा रही है.

अतिथि शिक्षकों की सेवाएं भी हुई समाप्त

स्थानांतरण के बाद कई विद्यालयों में नियमित शिक्षक के स्थान बदलने के साथ ही वहां कार्यरत अतिथि शिक्षकों की नियुक्ति भी समाप्त हो गई. परिणामस्वरूप कई स्कूलों में शिक्षक विहीन जैसी स्थिति बन गई है. ऐसे विद्यालयों में विद्यार्थियों की नियमित पढ़ाई बाधित हो रही है और अभिभावकों में भी चिंता बढ़ रही है.

विद्यार्थियों के भविष्य पर पड़ रहा असर

शिक्षकों की अनुपस्थिति का सबसे बड़ा नुकसान विद्यार्थियों को उठाना पड़ रहा है. कई स्कूलों में नियमित कक्षाएं प्रभावित हैं, विषय विशेषज्ञ उपलब्ध नहीं हैं और परीक्षा की तैयारी भी प्रभावित हो रही है. शिक्षा सत्र के बीच बनी यह स्थिति विद्यार्थियों के शैक्षणिक हितों के लिए चिंता का विषय बन गई है.

34 शिक्षकों ने नहीं की जॉइनिंग

- प्रशासनिक स्थानांतरण – 128
- जॉइनिंग नहीं करने वाले – 11
- स्वैच्छिक स्थानांतरण – 304
- जॉइनिंग नहीं करने वाले – 23
- कुल गैरहाजिर शिक्षक – 34

क्या हैं नियम ?

शासन के स्थानांतरण नियमों के अनुसार स्थानांतरण आदेश जारी होने के बाद संबंधित कर्मचारी को सात दिनों के भीतर नई पदस्थापना पर कार्यभार ग्रहण करना अनिवार्य होता है. नियमों में केवल स्वास्थ्य संबंधी कारण बताकर जॉइनिंग टालने का प्रावधान नहीं है. इसके बावजूद कई शिक्षक अब तक नई पदस्थापना पर नहीं पहुंचे हैं.

कुछ मामलों में शिक्षकों के पास न्यायालय से स्टेट है, विभाग द्वारा सभी की जांच की जा रही है. जिन शिक्षकों ने जॉइन नहीं उनका का वेतन भी नही आएगा, ऐसे शिक्षकों के विरुद्ध करवाही की जाएगी.

सावन पाटीदार, जिला शिक्षा अधिकारी, राजगढ़

पदस्थामित पदों पर गृह जिले में पदस्थापना नहीं होगी (अविवाहित, विधवा या विकलांग महिला शिक्षकों को छूट).

पति-पत्नी नीति : के तहत आने वाले मामलों को 20 प्रतिशत की तय सीमा से युक्त (अतिरिक्त) रखा गया है.

3 साल से अधिक अवकाश पर रहे या पदस्थापना एवं समय-सीमा (लंबित/लापता) 3 साल पूरे नहीं हुए हैं, उन्हें भी इस प्रक्रिया से बाहर रखा गया है.

तबादला नीति अंतर्गत जारी होने वाली 90 प्रतिशत से कम ई-अटेंडेंस वाले शिक्षकों सहित अन्य जरूरी जानकारी पोर्टल पर अपडेट कराई जा रही है. नीति जारी होने के बाद नियमित प्रक्रिया के अनुसार शिक्षकों से तबादले के आवेदन लिए जाएंगे और सत्यापन मंजूरी के लिए प्रभारी मंत्री को भेजा जाएगा.

जिले में कोई भी तबादला प्रभारी मंत्री की मंजूरी के बिना नहीं किया जाएगा. इसके लिए 15 जून अंतिम तिथि तय की गई है. अधिकारियों से कहा गया है कि अंतिम समय में भागदौड़ और प्रस्ताव लंबित रहने की स्थिति से बचने के लिए वे 4-5 दिन पहले ही प्रभारी मंत्री से मंजूरी ली जाए.

राशन दुकान पर पहुंच रही गेहूं की गीली बोरी

52.735 किलो का कट्टा, सूखने पर घटकर 50 किलो रह जाएगा संचालक परेशान

नवभारत न्यूज

सुठालिया 05 अगस्त, सं. क्षेत्र के ग्राम पारसाना स्थित शासकीय उचित मूल्य की दुकान पर सोमवार को अगस्त माह का खाद्यान्न पहुंचा. लेकिन इस बार भी अधिकांश गेहूं के कट्टे गीले ही निकले. दुकान पर तौल करने पर एक कट्टे का वजन 52 किलो 735 ग्राम निकला. दुकान संचालक ने बताया कि गीला होने के कारण कुछ दिनों में सूखकर इनका वजन 50 से 49 किलो रह जाएगा.

इसका सीधा नुकसान दुकान संचालक को उठाना पड़ेगा. संचालक ने जिला कलेक्टर, जिला खाद्य अधिकारी एवं खाद्य निरीक्षक को सूचित करते हुए मांग की है कि कचनारिया के शासकीय वेयर हाउस में जाकर निरीक्षण किया जाए.

दोषी पाए जाने पर उनके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की जाए. उन्होंने कहा कि हर महीने इसी तरह गीले कट्टे आने से गरीब उपभोक्ताओं को भी कम अनाज मिलता है. शासन को इस मामले में गंभीरता से विचार करना चाहिए.

खाते में दो लाख भेजे, फिर एक लाख वापस मांगे

सायबर ठग ने कारोबारी को दोस्त बनकर किया कॉल

नवभारत न्यूज

ब्यावरा 05 अगस्त, का. ब्यावरा में साइबर ठगों ने कारोबारी से दोस्त बनकर करीब 1.49 लाख 799 रुपये की धोखाधड़ी की है. सिटी थाना पुलिस ने बुधवार को अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. बाण्डीखाली निवासी जगदीश शर्मा, जो मंगल इंटरप्राइजेज ने शिकायत दर्ज कराई है.

शिकायत के अनुसार 3 अगस्त को जगदीश शर्मा के मोबाइल पर अज्ञात नंबर से कॉल आया. फोन करने वाले ने खुद को परिचित बताया. आवाज दोस्त जैसी लगने पर शर्मा ने एक मित्र का नाम लिया. आरोपी ने शर्मा से कहा कि वह उनके फोन पे खाते में 2 लाख रुपये भेज रहा है. कुछ देर बाद उसने मैसेज भेजकर राशि ट्रांसफर होने का दावा किया. उसने शर्मा से कहा कि खाते की जांच किए बिना उसे तत्काल 1 लाख रुपये वापस भेज दें.

अलग-अलग किस्तों में जमा करवाए रुपए

इसके बाद भी आरोपी ने अलग-अलग किस्तों में और पैसे भेजने का दबाव बनाया. शिकायत में बताया गया है कि शर्मा से 35 हजार, 20 हजार, 45 हजार, 26,999 और 22,800 रुपये भी अलग-अलग ट्रांजेक्शन के जरिए जमा करा लिए गए. इस प्रकार कुल 1,49,799 रुपये की ठगी की गई. जब आरोपी लगातार और पैसे मांगता रहा, तब जगदीश शर्मा को धोखाधड़ी का एहसास हुआ. थाना प्रभारी शिवराज सिंह चौहान ने जानकारी दी कि शिकायत मिलने के बाद सिटी थाना पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है. पुलिस अब आरोपी के मोबाइल नंबर, फोनपे अकाउंट और सभी ट्रांजेक्शन की जांच कर रही है. पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि आरोपी किस स्थान से कॉल कर रहा था.

गाडर चोरी में दैनिक वेतन भोगी को सेवा से पृथक किया

सुठालिया 05 अगस्त, सं. नगर परिषद कार्यालय से बीते रविवार को लोहे की गाडर चोरी करने वाले आरोपी विजय केवट की नगर परिषद द्वारा सेवा समाप्ति कर दी गई है. आदेश बुधवार को सीएमओ वीरेंद्र चक्रवर्ती ने जारी किया. नगर परिषद ने एक सार्वजनिक सूचना जारी कर बताया कि परलापुरा निवासी विजय केवट पुत्र बनेसिंह केवट को दैनिक वेतन पर फायरमैन के पद से सेवा से पृथक कर दिया गया है. वे अब नगर परिषद सुठालिया में कार्यरत नहीं रहेंगे. वही एक पत्र विजय केवट को भी दिया गया है. जिसमें बताया की सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्रमांक के अनुसार, निकाय की छवि खराब करने और आर्थिक नुकसान पहुंचाने के मामले में आपको प्राथमिक तौर पर दोषी पाया गया है.

ढह गया यात्री प्रतीक्षालय, धूप-बारिश में बसों का इंतजार

नवभारत न्यूज

पडाना 05 अगस्त, सं. सारंगपुर जनपद की ग्राम पंचायत मऊ में गुलावता तिराहे पर यात्रियों की सुविधा के लिए लगा शासकीय यात्री प्रतीक्षालय पिछले माह आए आंधी-तूफान में गिर गया था. लेकिन एक महीने से अधिक समय बीत जाने के बाद भी उसे दोबारा नहीं लगाया गया है. इसके चलते गुलावता, तुकोगंज, धामंदा, खुजनेर और भेंसवा माताजी सहित आसपास के गांवों से आने-जाने वाले सैकड़ों यात्रियों को रोजाना भारी परेशानी उठानी पड़ रही है.

गुलावता जोड़ पर यह टीनशेड़ तत्कालीन विधायक कुंवर कोठार के कार्यकाल में विधायक निधि से बनवाया गया था. बाद में आवागमन बढ़ने पर लोक निर्माण विभाग ने भी यहां दूसरा प्रतीक्षालय खड़ा किया. अब विधायक निधि वाला शेड गिरने के बाद सारा भार केवल पीडब्ल्यूडी के प्रतीक्षालय पर आ गया है. सुबह-शाम बसों का इंतजार करने वाले दर्जनों लोग उसमें समा नहीं पाते. नतीजा यह है कि महिलाओं, बुजुर्गों और स्कूली बच्चों को मजबूरन धूप और बारिश में खुले में बैठना पड़ रहा है.

स्थानीय यात्रियों का कहना है कि इस क्षेत्र से होकर धार्मिक और कृषि आवागमन सबसे अधिक होता है. रोजाना सैकड़ों महिलाएं, छात्र और मजदूर यहां से गुजरते हैं. लेकिन बुनियादी सुविधा के अभाव में उन्हें भीगना और तपती धूप सहना आम हो गया है. ग्रामीणों का आरोप है कि जिम्मेदार विभागों ने गिरे हुए शेड़ की सुध नहीं ली और न ही उसे यथावत स्थान पर लगाने की कोई पहल की. यह समस्या सिर्फ मऊ तक सीमित नहीं है. ग्राम पंचायत पड़ाना के गांधी चौक स्थित टेंपो स्टैंड पर भी तत्कालीन विधायक के समय बना यात्री प्रतीक्षालय आज जर्जर होकर बायपास किनारे खंडहर की तरह पड़ा है. उसकी ओर भी किसी ने ध्यान नहीं दिया है. ग्रामीणों और यात्रियों ने प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से मांग की है कि गुलावता तिराहे पर गिरे टीनशेड़ को तुरंत व्यवस्थित कर पुनः लगाया जाए और गांधी चौक के जर्जर प्रतीक्षालय का जीर्णोद्धार कर उसे उपयोगी स्थान पर स्थापित किया जाए. उनका कहना है कि जब तक यह सुविधा बहाल नहीं होगी. तब तक आमजन को धूप, बारिश और सर्दी तीनों मौसम में परेशानी हो रही है.

नल के वाल्व के गड्ढों में गिर रहे मवेशी

नवभारत न्यूज

सुठालिया 05 अगस्त, सं. स्थानीय नगर परिषद की लापरवाही के चलते सुठालिया में आए दिन नल के वाल्व को खोदकर छोड़ दिया जाता है. इन खुले गड्ढों में गाय और बछड़े गिर जा रहे हैं. साथ ही कीचड़ होने के कारण दुकान पर आने-जाने वाले लोगों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है.

वार्ड क्रमांक 12 के निवासी गिरीश गुप्ता ने बताया कि नगर परिषद द्वारा हर बार नल के वाल्व खुदवा दिए जाते हैं और उसमें सिर्फ मिट्टी डालकर छोड़ दिया जाता है.

स्थायी समाधान के लिए चैंबर नहीं बनवाया जा रहा है. जिससे थोड़ी सी बारिश में ही वहां कीचड़ हो जाता है और राहगीरों का निकलना मुश्किल हो जाता है. स्थानीय लोगों का कहना है कि इन खुले गड्ढों में कई बार गाय व बछड़े गिरकर चोटिल हो चुके हैं. शिकायत करने के बावजूद नगर परिषद द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है. गिरीश गुप्ता ने नगर परिषद प्रशासन से मांग की है कि नल के वाल्वों पर तत्काल चैंबर बनवाए जाएं. ताकि लोगों और मवेशियों को हो रही परेशानी से राहत मिल सके. इस संबंध में एक शिकायत कपड़ा व्यवसाय अशोक गुप्ता ने मुख्य नपाधिकारी वीरेंद्र चक्रवर्ती से की. उन्होंने स्पष्ट किया कि शीघ्र ही उन गड्ढों में चेंबर बनाए जाएंगे.

बिना परमिट के दौड़ रही 3 बसों को जब्त कर चालान बनाया

कलेक्टर के निर्देश पर विशेष जांच अभियान

नवभारत न्यूज

राजगढ़ 05 अगस्त, का. जिले में यात्री सुरक्षा, सड़क सुरक्षा तथा मोटरयान अधिनियम के प्रभावी पालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा के निर्देशानुसार जिला परिवहन विभाग द्वारा बुधवार को पचोर क्षेत्र में विशेष वाहन जांच अभियान चलाया गया. अभियान के दौरान बिना वैध परमिट एवं आवश्यक दस्तावेजों के संचालित तीन बसों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करते हुए उन्हें जब्त किया गया तथा विभिन्न प्रकरणों में कुल 11 हजार रुपये का जुर्माना अधिरोपित किया गया.

जिला परिवहन अधिकारी ज्ञानेन्द्र वैश्य ने बताया कि जांच के दौरान बीटी रोड स्थित पचोर-बिलापुर मार्ग पर एक यात्री बस बिना वैध परमिट के संचालित पाई गई. नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर बस को तत्काल जब्त कर थाना पचोर में सुरक्षित खड़ा कराया गया.

इसी क्रम में उदनखेड़ी स्थित संस्कृति विद्यालय की दो स्कूल बसों की जांच की गई. जांच के दौरान दोनों बसों के आवश्यक दस्तावेज पूर्ण नहीं पाए जाने पर उन्हें भी जब्त कर थाना पचोर में रखा गया.

विद्यालय प्रबंधन को निर्देशित किया गया है कि तीन दिवस के भीतर सभी आवश्यक दस्तावेज पूर्ण कर विभाग के समक्ष प्रस्तुत करें. निर्धारित अवधि में दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जाने पर नियमानुसार अग्रिम कार्रवाई की जाएगी. अभियान के दौरान कृष्णा मॉडर्न स्कूल की एक बस बिना वैध फिटनेस प्रमाणपत्र के संचालित पाई गई, जिसके विरुद्ध मोटरयान अधिनियम के प्रावधानों के तहत चालानी कार्रवाई करते हुए जुर्माना लगाया गया.

जिला परिवहन अधिकारी श्री वैश्य ने बताया कि जिले में यात्री वाहनों, स्कूल बसों एवं अन्य वाणिज्यिक वाहनों की नियमित एवं सघन जांच आगे भी निरंतर जारी रहेगी. उन्होंने सभी वाहन संचालकों एवं शिक्षण संस्थानों से अपील की कि वाहन संचालन से पूर्व परमिट, फिटनेस, बीमा, पंजीयन सहित सभी आवश्यक दस्तावेज अद्यतन रखें तथा यातायात नियमों का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित करें.

हादसा सारंगपुर के भीतर बेलगाम बसों ने ली दो की जान, बिगड़ैल यातायात और अस्पताल व्यवस्था की पोल खुली

सड़क हादसों में 2 किसानों की मौत, पीएम के लिए करना पड़ा इंतजार

नवभारत न्यूज

सारंगपुर 05 अगस्त, सं. बुधवार को शहर में हुई दो अलग-अलग घटनाओं ने प्रशासनिक व्यवस्था की गंभीर खामियों को एक बार फिर उजागर कर दिया. एक ओर सड़क दुर्घटना में मृत किसान के शव का सुबह 10 बजे तक पोस्टमार्टम के लिए परिजनों को इंतजार करना पड़ा.

वहीं दूसरी ओर अकोदिया नाका पर तेज रफ्तार बस की चपेट में आने से एक किसान की मौके पर ही मौत हो गई. यहां समय पर पीएम नहीं होने से परिजनों का गुस्सा फूट पड़ा. परिजनों ने सिविल अस्पताल की अव्यवस्थाओं पर सवाल उठाए.

जबकि नागरिकों ने शहर में बेलगाम रफ्तार से दौड़ रही बसों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की.

पोस्टमार्टम का इंतजार, व्यवस्था पर सवाल

जानकारी के अनुसार मेरी चौकी निवासी किसान रामप्रसाद मंगलवार रात करीब 8 बजे सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गए थे. उन्हें उपचार के लिए सारंगपुर सिविल अस्पताल लाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई. परिजनों का आरोप है कि शव रात में ही अस्पताल पहुंच गया था, इसके बावजूद बुधवार सुबह करीब 10 बजे तक पोस्टमार्टम नहीं हो सका. पूरी रात परिजन पोस्टमार्टम कक्ष के बाहर बैठे रहे. उनका कहना है कि अस्पताल में आवश्यक व्यवस्थाओं का अभाव था. पोस्टमार्टम कक्ष की पानी की टंकी तक खाली पड़ी थी और जिम्मेदार कर्मचारियों की ओर से कोई संतोषजनक व्यवस्था नहीं की गई.

केवाईसी कराने आए किसान की बस से कुचलकर मौत

इसी बीच बुधवार सुबह करीब 9 बजे अकोदिया नाका पर गैस केवाईसी कराने आए 45 वर्षीय किसान श्याम वर्मा पिता रामचंद्र वर्मा, निवासी कुमारिया पाल, तेज रफ्तार शिवशक्ति बस (एमपी-43-जेडबी-9955) की चपेट में आ गए. हादसा इतना भीषण था कि उनकी मौके पर ही मौत हो गई. परिजनों ने अस्पताल स्टाफ पर अभद्र व्यवहार और संवेदनहीनता के आरोप भी लगाए.

बाद में पुलिस ने मौके पर पहुंचकर समझाइश देकर स्थिति को शांत कराया. मृतक के परिवार में तीन बेटियां और दो बेटे हैं. परिजनों के अनुसार दोनों बेटे मानसिक रूप से कमजोर हैं और परिवार की आजीविका पूरी तरह खेती पर निर्भर थी. पुलिस ने परिजनों के आवेदन पर बस जब्त कर थाने में खड़ी कर दी है तथा मामले की जांच शुरू कर दी है.

नागरिक बोले—शहर में रफ्तार पर लगे रोक

नागरिकों का कहना है कि ओल्ड एबी रोड पर कई निजी बसें शहर की सीमा में भी हाईवे जैसी रफ्तार से दौड़ती हैं, जिससे हर समय दुर्घटना का खतरा बना रहता है. साथ ही राज्यमंत्री गौतम टेटवाल और कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा से सिविल अस्पताल की व्यवस्थाओं में तत्काल सुधार, पोस्टमार्टम प्रक्रिया को समयबद्ध बनाने तथा लापरवाह कर्मचारियों की जवाबदेही तय करने की मांग भी की है.

पोस्टमार्टम रूप में पहले से ही एक पोस्ट मार्टम का कार्य चल रहा था, इसके लिए उक्त मामले में देरी हुई है.

डा. केएन भिलवारे, बीएमओ, सारंगपुर